भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2709 का उत्तर

कर्नाटक में रेल परियोजनाओं का कार्यान्वयन

2709. श्री गोविन्द मकथप्पा कारजोल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2024-25 के वर्तमान बजट में कर्नाटक राज्य के लिए किन्हीं नई रेल परियोजनाओं की घोषणा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस वर्ष के दौरान कर्नाटक में उक्त परियोजनाओं के विकास के लिए आवंटित निधियों का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) दावणगेरे और तुमकुरू को जोड़ने वाली रेल लाइन के कार्य की प्रगति का वर्तमान ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने भूमि अधिग्रहण और इस संबंध में अन्य लंबित मुद्दों का समाधान करने के संबंध में कर्नाटक राज्य सरकार के साथ बैठकें/परामर्श किए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएँ राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदाता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, भीड़-भाड़ वाली/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों,

संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई माँगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक विचारों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चल रही परियोजनाओं के थ्रोफॉर्वर्ड और निधि की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने आने वाली रेलवे अवसंरचनात्मक परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर), मध्य रेलवे (सीआर), दक्षिणी रेलवे (एसआर) और दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेलवे-वार जानकारी भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराई गई है।

पिछले तीन वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25) के दौरान कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुल 6159 किलोमीटर लंबाई की कुल 56 परियोजनाओं (19 नई लाइन और 37 दोहरीकरण) के सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई है।

01.04.2024 तक, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 47,016 करोड रूपए की लागत से कुल 3840 किलोमीटर लंबाई की 31 रेल परियोजनाएं (21 नई लाइनें और 10 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1302 किलोमीटर लंबाई कमीशन की जा चुकी है और मार्च, 2024 तक 17,383 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। सारांश इस प्रकार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय करोड़ रुपए में)
नई लाइन	21	2556	395	7,592
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	10	1284	907	9,791
कुल	31	3,840	1,302	17,383

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	**परिव्यय**
2009-2014	**₹835 करोड़ /वर्ष**
2024-2025	**₹7,559 करोड़ (9 गुना से अधिक)**

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	**कमीशन की गई कुल लंबाई**	**औसतन कमीशन किए गए नये रेलपथ**
2009-14	**565 कि.मी.**	**113 कि.मी./वर्ष**
2014-24	**1,633 कि.मी.**	**163 कि.मी./वर्ष**

तुमकुर - चित्रदुर्ग - दावणगेरे नई लाइन (191 किलोमीटर) परियोजना में मार्च, 2024 तक 359.32 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 150 करोड़ रुपए का परिव्यय प्रदान किया गया है। अब तक 875 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। उपलब्ध भूमि पर काम शुरू कर दिया गया है।

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन मंजूरी, लागत भागीदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत का हिस्सा जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****